डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 255 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 29 जून 2024 | मूल्य 2 रुपया

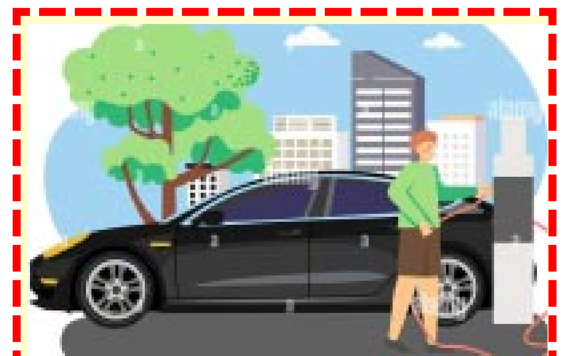

घरेलू बिजली से चार्ज हो रहे कमर्शियल वाहन

चार्जिंग पाइंट भी नहीं लग पाए, नियमों का नहीं हो रहा पालन

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। बीते तीन-चार साल से अंचल में इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन लगातार बढ़ रहा है। खासकर इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर चलाने वालों की संख्या 3600 के पार हो चुकी है, वहीं ई-रिक्शा व ई-ऑटो की संख्या ढाई सौ के आंकड़े को पार कर चुकी है। इनमें से अधिकतर ई-वाहन घरेलू कनेक्शन वाली बिजली से चार्ज हो रहे हैं। खासकर कमर्शियल संचालन करने वालों द्वारा पृथक से कनेक्शन नहीं लिए जा रहे, जबकि इनका अगल टैरिफ रहता है।

तीन-चार साल में जिले में एक दर्जन से ज्यादा ई-वाहन कंपनियों के शोरूम तक खुल चुके हैं। जहां सिंगल चार्जिंग में 40 किलोमीटर से 150 किमी तक चलने का दावा किया जाता है। करीब ढाई साल पहले तत्कालीन कलेक्टर गौतमसिंह ने नपा को निर्देश दिए थे कि शहर में 3 स्थानों पर चार्जिंग पाइंट लगाए जाएं ताकि ई-व्हीकल न्यूनतम दरों पर चार्ज हो सकें। हालांकि आदेश का अब तक पालन नहीं हुआ। मप्र पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी द्वारा विभिन्न कैटेगरी के बिजली कनेक्शन जारी किए जाते हैं, जिसमें कमर्शियल उपयोग वाले वाहनों के लिए भी चार्जिंग के लिए घरेलू के बजाय कमर्शियल कनेक्शन आवश्यक है। लेकिन, चेकिंग के अभाव में पालन नहीं हो रहा।

चूंकि घरेलू कनेक्शन में मासिक बिल बेहद कम आता है। ऐसे में कंपनी के दफ्तर में गिने-चुने लोगों ने ही आवेदन दिए। जबकि, 85 से 90 फीसदी ई-व्हीकल घरेलू बिजली से चार्ज हो रहे हैं। बिजली कंपनी के अधिकारियो का कहना है कि निजी उपयोग वाले वाहन हैं तो उनको घरेलू बिजली से चार्ज किया जा सकेगा। लेकिन ई-रिक्शा, ई-ऑटो जैसे कैटेगरी के कमर्शियल वाहनों के लिए व्यावसायिक कनेक्शन जरूरी है। समय-समय पर जांच भी की जाएगी।

फिर शुरु हुआ बच्चों की जान से खिलवाड़ का खेल

ऑटो में ड्राइवर सीट पर बच्चे, हमेशा बनी रहती हादसे की आशंका

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। स्कूल खुलते ही बच्चों की जान से खिलवाड़ का खेल शुरु हो गया है। परिवहन के दौरान बच्चोंकी सुरक्षा को लेकर स्कूल प्रबंधन से लेकर जिम्मेदार विभाग कोई भी गंभीर नहीं है। आलम यह है कि ऑटो व मैजिक संचालक बच्चों को बाहर लटकाकर सरपट दौड़ रहे हैं। जवाबदेही से बचने के लिए स्कूल प्रबंधन भी ऑटो व मैजिक को ही बढ़ावा दे रहे हैं। इसके चलते एक ही निजी स्कूल के बच्चे करीब 150 से अधिक ऑटो व मैजिक में सफर कर रहे हैं। लाभ सिद्ध करने के कारण ऑटो संचालक भी क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर उनकी जान से खिलवाड़ करने से नहीं चूक रहे हैं। हालात यह है कि ऑटो में ड्राइवर सीट पर बच्चे चालक के पास बैठे हुए देखे जा सकते हैं। जिनके पैर ऑटो के बाहर लटकते नजर आते है।

दोनों विभागों में तालमेल का अभाव...

कभी कभी एक दो दिनों की औपचारिकता के बाद कोई ठोस कार्रवाई अभी तक इस मामले में नहीं की गई है। एक दो दिन में अभियान ठंडे

[मामला स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने का]

बस्ते में चला जाता है। भले ही अधिकारी समय- समय पर कार्रवाई करने का दावा करते हों। लेकिन, बच्चों को लटकाकर दौड़ते ऑटो जिम्मेदारों के दावों को झूठा साबित करते हैं। परिवहन व यातायात विभाग में आपसी तालमेल नहीं होने के चलते कोई भी जांच अभियान लंबे समय तक नहीं चल पाता। कुछ दिन की जांच महज औपचारिकता बनकर रह जाती है। जानकारी के अनुसार शहर में डेढ़ सौ से अधिक ऑटो- मैजिक हैं। इनमें अधिकतर वाहनों में क्षमता से दोगुना अधिक बच्चों को बैठाया जाता है। कई बार बच्चे वाहन से लटकते हुए भी देखे जा सकते हैं।

अभिभावकों की मजबूरी का उठा रहे फायदा, ले रहे मोटा मुनाफा...

ऑटो व मैजिक निजी स्कूलों से आधिकारिक रूप से संबद्धता नहीं रखते हैं। इसके चलते कोई भी हादसा या घटना होने पर स्कूल प्रबंधन अपने हाथ खींच लेता है। अभिभावकों का कहना है कि ऑटो वाले प्रतिमाह 800 से 1000 रुपए तक लेते हैं। बच्चों की संख्या के आधार पर राशि कम या ज्यादा होती है। इसी मजबूरी का फायदा वाहन चालक उठा रहे हैं।

10 से अधिक स्कूली वाहन हो चुके हैं हादसे के शिकार...

करीब नौ साल में 10 से 12 स्कूल वाहन हादसे के शिकार हो गए हैं। घटना के बाद वाहन में क्षमता से अधिक बच्चे सवार मिलते हैं। कई बार फिटनेस संबंधी कोई ना कोई खामी पाई जाती हैं। समय पर नहीं जागकर विभाग हादसे के बाद वाहन के फिटनेस निरस्त करने कार्रवाई करता है।

नहीं मिले फायर सेफ्टी के इंतजाम

एमपी नगर में कोचिंग, कैफे, गेम जोन सील

भोपाल, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर के संस्थानों में फायर सेफ्टी के इंतजामों की जांच जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है। साथ ही संचालकों को समझाइश दी जा रही है कि वह आगजनी से बचाव के सभी इंतजाम करके रखें। यदि फायर सेफ्टी का पालन नहीं किया गया तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसी के तहत एमपी नगर एसडीएम ने अलग-अलग संस्थानों का निरीक्षण किया। यहां दो कोचिंग, एक गेम जोन और एक कैफे में फायर सेफ्टी का पालन नहीं किया जा रहा था। इससे चारों पर कार्रवाई करते हुए सील कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार एडीएम हिमांशु चंद्र ने निर्देश पर कोचिंग संस्थान, रेस्टोरेंट, होटल संचालकों के साथ बैठक कर यह निर्देश दिए थे कि जिनके पास फायर सेफ्टी की एनओसी नहीं है और हाइड्रेंट सिस्टम नहीं लगा है, वह सभी एक सप्ताह में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। एडीएम के द्वारा दिए गए निर्देश के 15 दिन बाद भी कई संस्थानों में फायर सिस्टम और हाइड्रेंट सिस्टम लगवाने की रिपोर्ट पेश नहीं की गई है। इस पर एसडीएम एमपीनगर लक्ष्मीकांत खरे ने तहसीलदार सुनील वर्मा, फायर अधिकारी अशर खान, शिक्षा विभाग के अभिषेक वैश्य व अन्य विभागों के साथ मिलकर संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। इस दौरान रिजोनेंस और स्टेप अप कोचिंग संस्थानों में फायर सेफ्टी के इंतजाम नजर नहीं आए। इसके परिणाम स्वरूप दोनों कोचिंग कार्यालयों को सील कर दिया गया हैं। साथ ही बच्चों की पढ़ाई का ध्यान रखते हुए कक्षाओं को सील नहीं किया गया है।

एसडीएम ने बताया कि एमपीनगर स्थित इंफिनिटी गेम जोन और एक कैफे को भी फायर सेफ्टी नार्म्स का पालन नहीं करने के कारण सील कर दिया गया है। साथ ही संचालकों को चेतावनी दी गई है कि वह जल्द ही फायर सेफ्टी के इंतजाम कर लें।

ईवी खरीदने पर मिलेगी सब्सिडी

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। इलेक्ट्रिक व्हीकल को बढ़ावा देने के लिए सरकार मोटर व्हीकल टैक्स खत्म करने जा रही है। अभी ईवी पर 1 प्रतिशत टैक्स है। ईवी के निर्माण से लेकर बिक्री तक कई सुविधाएं और राहत दी जाएंगी। तीन माह में नई इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी तैयार होगी। इसके लिए नगरीय विकास विभाग को नोडल बनाया है।

15 विभाग अपने स्तर पर ईवी को प्रोत्साहित करने छूट व सब्सिडी देंगे। नगरीय विकास विभाग के अफसर अन्य विभागों के साथ पॉलिसी के लिए बैठक कर रहे हैं। अभी मध्यप्रदेश में 2019 की ईवी पॉलिसी लागू है, पर इससे ईवी को ज्यादा बढ़ावा नहीं मिल रहा। अन्य राज्यों में सब्सिडी व टैक्स में ज्यादा छूट है।

इन राज्यों में सब्सिडी...

गुजरात में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन पर अधिकतम 20 हजार, तिपहिया पर 50 हजार और चार पहिया पर डेढ़ लाख रूपए सब्सिडी दी जाती है। हरियाणा में नए ईवी कमर्शियल वाहन पर 6 लाख तक सब्सिडी बढ़ा दी है। हाइब्रिड कारों पर 3 लाख तक की सब्सिडी दी जा रही है। केरल में पहले पांच साल रोड टैक्स पर 50 प्रतिशत की छूट है।

निजी स्कूलों ने 10 फीसदी से अधिक बढ़ाई फीस

[अब दो-दो लाख रुपये लगेगा जुर्माना]

भोपाल, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। राजधानी भोपाल के कोलार क्षेत्र के चार निजी स्कूलों पर फीस अधिनियम के तहत कार्रवाई हुई है। जिला प्रशासन ने इन स्कूलों के विरुद्ध 10 फीसदी से अधिक फीस वृद्धि को लेकर कार्रवाई की है। अब इन स्कूलों को अभिभावकों से वसूली गई फीस वापस लौटानी होगी।

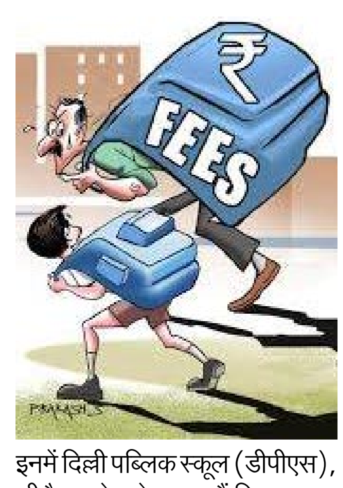

इनमें दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), श्रीचैतन्य टेक्नो स्कूल, कैंपियन स्कूल भौंरी समेत एक अन्य निजी स्कूल शामिल है। इन्हें 30 दिन में बढ़ाई गई फीस विद्यार्थी या अभिभावकों के खाते में ऑनलाइन लौटानी होगी। जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) अंजनी कुमार त्रिपाठी ने इन निजी स्कूलों को फीस लौटाने के लिए नोटिस जारी किए हैं।

जिन स्कूलों ने हर वर्ष 10 प्रतिशत से ज्यादा फीस बढ़ाई है, उन्हें फीस लौटाने के आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेश में स्कूल संचालकों को चेतावनी दी गई है कि फीस अधिनियम का पालन किए बिना ली गई फीस वापस नहीं करने पर अधिनियम की धारा 9 (9) के तहत जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। डीईओ ने भोपाल के चैतन्य टेक्नो स्कूल कोलार रोड, कैंपियन स्कूल भौंरी, डीपीएस कोलार को अधिनियम का पालन नहीं करने के लिए दोषी माना है।

राजधानी में 150 सीबीएसई स्कूलों में 93 ने दी फीस संबंधित जानकारी...

भोपाल के 150 सीबीएसई स्कूलों में 93 ने फीस सहित अन्य आय-व्यय का ब्यौरा दिया है। जानकारी नहीं देने वाले स्कूलों की जांच के लिए जिला शिक्षा विभाग ने समिति तैयार की है। स्कूल शिक्षा विभाग ने निजी स्कूलों से आय-व्यय व अन्य जानकारी मांगी थी। 24 जून अंतिम तिथि तक भोपाल में 93 सीबीएसई स्कूलों ने ही पोर्टल पर जानकारी अपलोड की। वहीं, स्कूल शिक्षा विभाग से संबद्ध 877 निजी स्कूलों ने पोर्टल पर फीस की जानकारी अपलोड कर दी है। अब फीस अधिनियम 2017 और 2020 के तहत जिला शिक्षा विभाग कार्रवाई कर रहा है।

इनका कहना...

एसडीएम व तहसीलदारों ने अपने-अपने क्षेत्रों के 10 से 12 स्कूलों के खिलाफ प्रतिवेदन कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को कार्रवाई के लिए भेजे हैं। इन स्कूलों की संख्या एक-दो दिन में और बढ़ेगी। जिन स्कूलों पर कार्रवाई की गई है, उन्होंने बीते पांच वर्ष में (कोरोना काल छोड़कर) दस फीसदी से अधिक फीस बढ़ाई है। फीस बढ़ोतरी की राशि 10.5 से 15 प्रतिशत तक है। इन स्कूलों को सात दिन में विद्यार्थियों का डाटा देने के लिए नोटिस दिया गया है। साथ ही 30 दिन में इन चार स्कूलों को विद्यार्थियों या अभिभावकों के खाते में बढ़ाई गई फीस लौटाना होगी।

अंजनी कुमार त्रिपाठी
डीईओ, भोपाल

चार निजी स्कूलों के जांच प्रतिवेदन मिलने के बाद उनके खिलाफ फीस अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। आगे भी निजी स्कूलों की मनमानी पर निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।

कौशलेंद्र विक्रम सिंह
कलेक्टर, भोपाल

मंदसौर में भी कार्रवाई की दरकार...

प्रदेश की राजधानी में जहां जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग लगातार सक्रिय है। वहीं मंदसौर में शिक्षा विभाग ढिलाई बरत रहा है। प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित मंदसौर जिले में भी अनेक स्कूल है, जो लगातार फीस बढ़ाते जा रहे है। मध्यमवर्गीय व्यक्ति को अपने बच्चो को अच्छे स्कूल में पढ़ाना अब सपना बनता जा रहा है। ऐसे में यहां भी सभी स्कूलो को नोटिस देकर खामियां होने पर कठोर कार्यवाही की दरकार है।

सांप ने डसा, मौत

नीमच, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। जीरन थाना क्षेत्र के ग्राम अरनिया बोराना में सांप के डसने का मामला सामने आया है। यहां पशुओं को खिलाने के लिए भूसा भरते समय सर्पदंश से एक व्यक्ति की मौत हो गइ। गांव अरनिया बोराना निवासी उंकार लाल पिता भूरालाल उम्र 43 साल जाति गुर्जर शुक्रवार सुबह अपने घर के पास बने बाड़े में पशुओं के लिए भूसा भर रहे थे। इसी समय उन्हें जहरीले सांप ने डस लिया।

जिसके बाद तत्काल परिजन उन्हे बड़े अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं मृतक के शव का परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम किया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

यातायात नियमों का उल्लंघन

बीपीएल चौराहा पुलिस सहायता केन्द्र के सामने यातायात नियमों को तोड़ते हुए बीच डिवाईडर से दो पहिया वाहन निकल रहे।

रंगदारी टेक्स नहीं दिया तो बाईक में लगाई आग

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। इन दिनो शहर सहित अंचल में क्राईम लगातार बढ़ रहा है। पुलिस जिस मुस्तैदी से क्राईम कंट्रोल करती है, उतनी ही तेजी से गुंडे भी पैदा हो रहे है। शहर के गुदरी तोड़ा इलाके में ऐसे ही एक मामले में फरियादी ने रंगदारी टेक्स नहीं दिया तो बदमाश ने उसकी बाईक में आग लगा दी।

शहर कोतवाली के गुदरी तोड़ा में बदमाश नदीम पिता नौशाद जबरन दादागिरी करता है और लोगो से हफ्ता वसूली करता है। उसका कहना है कि मोहल्ले में रहना है तो हफ्ता देना होगा, नहीं दिया तो कुछ भी नुकसान हो सकता है। शहर कोतवाली में शाहरुख पिता रसीद हुसैन नियारगर उम्र 26 साल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी घर के बाहर खड़ी बाइक में नदीम पिता नौशाद ने आग लगा दी। वह हफ्ता मांग रहा था, नहीं दिया तो दोस्त पुलिस चौकी के पास उसके घर के बाहर खड़ी बाईक में आग लगा दी। जिससे उसे नुकसान हुआ। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को तलाश रही है।

कांग्रेस संगठन में पुनरुत्थान के लिए बदलाव जरूरी है, पर कर पाना असंभव सा..!

मंदसौर/उज्जैन, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस संगठन 1984 में स्वर्गीय राजीव गांधी के नेतृत्व में राजनीतिक जगत के शीर्ष पर था। सदन में संख्या बल की ऐतिहासिक ताकत और सत्ता के गुरूर ने इसी नेतृत्व काल में ही कांग्रेस को अर्थ से फर्श की फिसलन पर धकेल दिया था। फिसले भी ऐसे की यही राजीव गांधी कभी दूसरी बार कांग्रेस को सत्ता में नहीं ला पाए। जितनी उनकी उम्र थी, उतना ना राजनीतिक ना कांग्रेस संगठन चलाने का अनुभव था। इसलिए चाटुकारों से घिर गए थे। कांग्रेस का अस्तित्व घटता गया, फिसलन के कारण अर्श के करीब होते गए। बाद में विपक्ष की सरकार बनने लगी, जब कांग्रेस संगठन को अपने बल पर सरकार बनने के लक्षण दूर तक नजर नहीं आए तब अनेक राजनीतिक दलों के साथ मिलकर यूपीए गठबंधन कर सरकार बनाई गई थी।

चन्द्रमोहन भगत

सभी जानते हैं बीते दो लोकसभा मे विपक्ष का नेता बनने लायक सांसदों की संख्या भी कांग्रेस नहीं छु पाई थी। इस दुर्गति का जिम्मेदार भी कांग्रेस का सिर्फ नेतृत्व ही था, जो लगातार ही अपने कार्यकर्ताओं के मुकाबले चाटुकारों को तरजीह देता रहा है। वर्तमान संसद में कांग्रेस के 99 सांसद है। इनमें से आधों की जीत का कारण मोदी सरकार से नाराजी का मत मिलना है ना कि कांग्रेस की लोकप्रियता का मत। इसी कारण अब कांग्रेस के पुनरुत्थान के बारे में सोचा जाने लगा है। वह भी इसलिए कि जब से राहुल गांधी ने भारत जोड़ो और न्याय यात्रा के दौरान आम जन से मुलाकातें की और पाया कि कांग्रेस संगठन को लगातार जिंदा रखना है तो चाटुकारों से मुक्त होना पड़ेगा। लोकसभा चुनाव के प्रत्याशी चयन से लेकर नतीजे के आने तक के राहुल के खुद के अनुभव भी यात्रा के दौरान मिली शिकायतो से मेल खाते नजर आ रहे थे। यहां तक दावा किया जा रहा है कि लाखों सब्सक्राइबर वाले युट्यूबरों ने भी राहुल गांधी को कांग्रेस उत्थान के लिए वर्तमान संगठन पदाधिकारी को सेवानिवृत्ति कर जन आधार वाले नेताओं पर भरोसा कर संगठन में प्रांत वार स्थान दिए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

ऐसा भी नहीं है कि कांग्रेस की लगातार घटती जनसाख और संगठन में समाए भाजपा के स्लीपर सेल की जानकारी राहुल गांधी को ना हो। इसके उलट दावा यह भी किया जा रहा है कि खुद सोनिया, राहुल और प्रियंका के करीबी भी स्लीपर सेल का काम कर कांग्रेस को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कांग्रेस नेतृत्व में प्रमुख पदों पर भी इन्हीं लोगों ने कब्जा कर रखा है। इसलिए लंबे समय से कांग्रेस की राजनीति पर काम करने व नजर रखने वालों का कहना है कि कांग्रेस के पुनरुत्थान के लिए धरातल से शीर्ष तक परिवर्तन की घोर आवश्यकता है। पर, परिवर्तन कर पाना इसलिए संभव नजर नहीं आता है कि अत्यंत प्रमुख पदों पर भी भीतरघाती स्लीपर सेलों का कब्जा है। अगर इन्हें छेडा भी जाता है तो अंतर विरोध के साथ सार्वजनिक छवि के नुकसान का डर सतह पर आ जाता है।

राहुल गांधी ने हिम्मत कर अगर इन्हें पहचान कर दरकिनार भी किया तो यही बीजेपी में समाकर नुकसान पहुंचाएंगे। ताजा उदाहरण कर्नाटक तेलंगाना है, जहां कांग्रेस का अच्छा खासा वर्चस्व कुछ समर्पित कार्यकर्ताओं ने बना दिया था। विधानसभा चुनाव में नतीजे भी अच्छे आए थे। फिर स्लीपर सेल ने कमान संभाली और लोकसभा चुनाव में नुकसान वाले नतीजे आ गए। इसलिए माना जा रहा है कि भले ही यह शास्वत सच है कि कांग्रेस संगठन में आमूल चूल परिवर्तन किया जाना अत्यंत जरूरी है, पर किया जाना गांधी परिवार के लिए भी संभव है? अगर होता तो 1989 के बाद से लगातार केंद्र सहित राज्यों में कांग्रेस हारते हुए हाशिए पर नहीं पहुंचती..!

विचार-मंथन

पेपर लीक के बढ़ते मामले चिंता का विषय

बीते कुछ महीनों में देश में विभिन्न प्रतियोगी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने और संदेह के घेरे में आने के मामले लगातार उजागर होते रहे हैं। निश्चित रूप से सुनहरे भविष्य की आस में रात-दिन एक करने वाले प्रतिभागियों के सपने चकनाचूर होने के समान तो है ही, इस तरह के मामलों से प्रतिभागियों का विश्वास व्यवस्था से उठ जाता है। मैडिकल परीक्षा की पुरानी प्रक्रिया में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिए लाई गई नई व्यवस्था भी अब सवालों के घेरे में है। परीक्षाओं की जो पवित्रता भंग की गई है, उससे लाखों युवाओं के करियर और भविष्य अधर में लटके हैं। धनबल से पेपर, परीक्षा केंद्र, पेपर सैटर आदि खरीदे जा सकते हैं। धनबल के इस खेल में सबसे ज्यादा नुकसान उन बच्चों का होता है, जो ईमानदारी एवं एकाग्रतापूर्वक अपनी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। सरकार ने राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं में पारदर्शिता लाने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एन.टी.ए.) की स्थापना की थी। लेकिन नीट परीक्षा के नतीजों पर उठे सवालों ने इस संस्था और उसके कामकाज को संदेह के दायरे में ला दिया है। सवाल है कि जो माता-पिता अपने बच्चे की परीक्षा पास कराने के लिए 40 लाख रुपए प्रश्नपत्र के लिए खर्च कर सकते हैं, क्या वे देश में 'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.' पैदा करना चाहते हैं? यह घोर दंडनीय अपराध है। नीट प्रकरण के अलावा यू.जी.सी. नेट, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर.) और नीट-पीजी परीक्षाएं भी रद्द या स्थगित की गई हैं। इस तरह 37 लाख से अधिक युवाओं के भविष्य अनिश्चित हो गए हैं। छात्रों के सामने उम्र निकल जाने का खतरा भी है। एन.टी.ए. की प्रक्रिया, परीक्षा-प्रणाली, आउटसोर्स की मजबूरी, विशेषज्ञता के अभाव और मूल में भ्रष्टाचार आदि ऐसे बुनियादी कारण हैं, कि इस संस्थान को ही समाप्त करने की मांग की जा रही है। युवाओं के विरोध-प्रदर्शन इतने उग्र और व्यापक हो गए हैं कि एन.टी.ए. के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को हटा कर एक सेवानिवृत आई.ए.एस. अधिकारी प्रदीप सिंह खरोला को इस पद का दायित्व सौंपना पड़ा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक विशेष समिति का गठन किया है। बेशक उसमें महा विशेषज्ञ किस्म के महाबौद्धिक चेहरे शामिल हैं लेकिन वे एन.टी.ए. की तकनीक, परीक्षा-प्रविधि और अंतर्विरोधों के समाधान नहीं दे सकते। यह उनकी विशेषज्ञता से बिल्कुल अलग क्षेत्र है। समिति को 2 माह का समय दिया गया है। यह राजनीतिक विवाद भी बन गया है और प्रतिपक्षी नेता शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे हैं। बहरहाल विशेष समिति का काम नौकरशाही किस्म का नहीं होना चाहिए क्योंकि उससे व्यवस्था को छिद्रों से मुक्त नहीं किया जा सकेगा। पेपर लीक पर सरकार को सख्ती से कदम उठाने होंगे, तभी परीक्षाओं की विश्वसनीयता बन पाएगी। एक ही एजेंसी से बार-बार परीक्षा नहीं करवानी चाहिए। इसके लिए नियम बनाए जाने चाहिए। दरअसल, कोचिंग सैंटरों के खेल व अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते आरोप लगाए जाते हैं। आरोप है कि इस परीक्षा में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं में परीक्षा देने वाले छात्रों को न्याय नहीं मिलता। बेहद गंभीर सवाल है कि अनिश्चितताओं के इस दौर में युवा छात्रों का क्या होगा? क्या सफल युवाओं को उनके मैडिकल कॉलेज आवंटित किए जाएंगे या नीट परीक्षा का परिणाम ही रद्द कर दिया जाएगा और परीक्षा दोबारा होगी? परीक्षाओं की पवित्रता का निर्वहन करने की बजाय समस्त परीक्षा एजेंसियां धन लोलुपता की शिकार हो चुकी हैं। बार-बार परीक्षाएं स्थगित या रद्द हो रही हैं। विद्यार्थियों के साथ अन्याय हो रहा है। कई कोचिंग सैंटर दलाल बन गए हैं। पेपर लीक से लेकर ग्रेस अंक और असामान्य अंक देना किसी भी परीक्षा संस्था के विरुद्ध सवालों की लड़ियां तो अवश्य खड़ा करेगा। केंद्र सरकार ने नकल विरोधी कानून पिछले दिनों लागू कर दिया है, इसके प्रावधानों को और कड़ा बनाया जाना चाहिए। परीक्षा के वर्तमान स्वरूप में व्यापक स्तर पर सुधार और साफ-सफाई करनी पड़ेगी क्योंकि लाखों युवा भारतीयों का भविष्य दांव पर है। बहरहाल, यह मामला जांच के लिए सी.बी.आई. को सौंप दिया गया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि गुनाहगार पकड़े जाएंगे और प्रतिभागियों को भी न्याय मिलेगा।

क्यों न जीएसटी को 'गुड एंड सिंपल' टैक्स बनाया जाए!

डा. अमृत सागर मित्तल

एक जुलाई को वस्तु एवं सेवा कर यानी जी.एस.टी. लागू होने के 7 साल पूरे होने जा रहे हैं। 2017 से लागू इस टैक्स सिस्टम में कई सारे सुधारों की दरकार है। नई सरकार पहले 100 दिन के कार्यकाल में जी.एस.टी. को और सरल बनाने पर विचार करे। जी.एस.टी. दरों, छूट या इनपुट टैक्स क्रैडिट (आई.टी.सी.) व कुछ वस्तुओं व सेवाओं पर लागू टैक्स को लेकर विवाद बढ़ रहे हैं। रिटर्न में मामूली चूक के कारण भी केंद्र व राज्य की जी.एस.टी. अथॉरिटी द्वारा कारोबारियों को जारी डिमांड नोटिस परेशानी का एक बड़ा कारण हैं। जी.एस.टी. अधिकारियों ने इसके लागू होने के पहले 1 साल के भीतर ही, यानी वित्त वर्ष 2018 की रिटर्न व आई.टी.सी. दावों में जाने-अनजाने हुई चूक पर 1,500 कारोबारियों को 1.45 लाख करोड़ रुपए के डिमांड नोटिस जारी कर दिए। एक नए टैक्स सिस्टम के शुरूआती दौर में ऐसी मामूली चूक से विवादों का बढ़ना स्वाभाविक है लेकिन जी.एस.टी. के तहत विवाद समाधान को 'गुड एंड सिंपल' टैक्स यानी अच्छे एवं सरल कर के रूप में स्थापित करने के लिए कई सारे सुधारों की जरूरत है। हालांकि 22 जून को जी.एस.टी. काऊंसिल की 53वीं बैठक में डिमांड नोटिस पर ब्याज व जुर्माने की माफी का ऐलान किया गया, पर जब तक इन विवादों का पूरी तरह से निपटान नहीं हो जाता, तब तक नोटिस की तलवार कारोबारियों के सिर पर लटकी है। इस बात को लेकर संशय बना हुआ है कि क्या जी.एस.टी. अधिकारी इतने बड़े पैमाने पर डिमांड नोटिस या कारण बताओ नोटिस का सही समय पर सही निपटान कर पाएंगे? कई मामलों में लंबी मुकद्दमेबाजी से राजस्व व व्यापार दोनों के लिए अनिश्चितताएं बढ़ जाती हैं, जिससे विवाद समाधान व्यवस्था पर लंबित मामलों का बोझ बढ़ता जाता है। टैक्स दरों को और आसान करके संभावित विवादों को काफी हद तक कम किया जा सकता है क्योंकि कई सारी मिलती-जुलती वस्तुओं व सेवाओं पर जी.एस.टी. की अलग-अलग दरें लागू हैं। यदि ये एक समान दरों के दायरे में आएंगी तो कारोबारी मामूली चूक से भी बच सकेंगे। उदाहरण के लिए बेकरी की वस्तुओं में ब्रैड से मिलती-जुलती वस्तुओं पर ही जी.एस.टी. की अलग-अलग दरें परेशानी का कारण हैं। जी.एस.टी. विवादों पर अंकुश लगाने व इनके जल्दी और निष्पक्ष निपटान के लिए जी.एस.टी. दरों को युक्तिसंगत बनाना तत्काल प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि टैक्स कलैक्शन में बढ़ौतरी के लिए अस्पष्टताओं को दूर कर वर्तमान टैक्स स्ट्रक्चर को सुव्यवस्थित करने की जरूरत है। इसमें जी.एस.टी. की मौजूदा चार दरों का 2 या 3 दरों में विलय किया जा सकता है। दरें घटाए जाने से टैक्स चोरी जैसे मामलों का भी निर्णायक समाधान होने की संभावना बढ़ेगी। 1200 से अधिक वस्तुओं व सेवाओं पर जी.एस.टी. की 4 स्लैब दरों में 5, 12, 18 व अधिकतम 28 प्रतिशत लागू हैं। इसके अलावा कुछ वस्तुओं व सेवाओं पर जीरो, 0.25, 1.5 और 3 प्रतिशत की विशेष दरें भी लगती हैं। मजे की बात यह है कि कई खाद्य पदार्थों पर 5 से 18 प्रतिशत जी.एस.टी. लगता है जबकि सोने के जेवरों पर सिर्फ 3 प्रतिशत। जी.एस.टी. के अस्तित्व में आने से पहले ट्रैक्टर समेत तमाम कृषि उपकरण टैक्स मुक्त थे, लेकिन इन पर भी लागू 12 प्रतिशत जी.एस.टी. में बदलाव बारे तत्काल पुनर्विचार की जरूरत है ताकि देश के लाखों गरीब किसान भी बेहतर खेती के लिए सस्ते उपकरण खरीद सकें। केंद्र व राज्य सरकारों के स्तर पर ईमानदार करदाताओं के लिए प्रक्रिया सरल बनाने को जी.एस.टी. प्रशासन सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए। फर्जी चालान, फर्जी आई.टी.सी. क्लेम व टैक्स चोरी जैसे गंभीर अपराधों से निपटने के लिए जी.एस.टी. एक्ट की धारा 132 के तहत गलत तरीके से इनपुट टैक्स क्रैडिट या अधिक रिफंड लेने पर 3 साल जेल की सजा का प्रावधान है। ऐसे में नियमों का सरलता से पालन तय करने के लिए जी.एस.टी. अधिकारियों को अपने व्यवहार में भी बदलाव लाना होगा। कड़ा कानून केवल फंसाने का जरिया नहीं समझना चाहिए। टैक्स चोरी जैसा अपराध होने की आंशका के बावजूद इसकी रोकथाम के प्रयास तेज करने की बजाय अपराध होने देने का इंतजार करना व फिर दंडित करने का दबाव बनाकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। 'नॉन कंप्लायंसेज' रोकने व अधिकांश करदाताओं, खासकर उन एम.एस.एम.ईज की मदद करने के लिए एक विश्वसनीय रणनीति की जरूरत है, जो जानबूझकर कानून का उल्लंघन नहीं कर रहे बल्कि अनजाने में चूक कर जाते हैं। रिटर्न जांच, ऑडिट या इंफोर्समैंट के दौरान पाई गई साधारण डाटा गलतियों, विसंगतियों या नॉन कंप्लायंसेज को कम करने के लिए विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी करने से कारोबारियों को विवाद से बचाया जा सकता है। करदाताओं को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि तेजी से बढ़ते डिजिटल माहौल में उनका रिटर्न डाटा सटीक, सुसंगत व फुलप्रूफ हो। इससे मामूली चूक से भी बचने में मदद मिलेगी जो कई बार बड़े विवादों का कारण बन सकती है। डाटा गुणवत्ता के प्रति अधिक संवेदनशीलता से डिमांड नोटिस जैसे मामलों में भारी कमी लाई जा सकती है। पंजाब जैसे राज्य में 'इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर' के तहत आने वाली औद्योगिक इकाइयों, जिनके तैयार माल की तुलना में कच्चे माल पर अधिक जी.एस.टी. लगता है, ऐसे मुद्दों के निपटान के लिए एक राष्ट्रीय ऑनलाइन मंच की मदद से केंद्रीय व राज्य प्रशासन एक ऐसा समाधान शुरू कर सकते हैं जिससे करदाताओं को कई अथारिटीज व अदालतों के चक्कर से बचाया जा सकता है। केंद्र सरकार ने हाल ही में घोषणा की है कि कई चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में केंद्र व राज्य की जी.एस.टी. अथारिटीज द्वारा संयुक्त रूप से जी.एस.टी. ऑडिट कराया जाएगा, ऐसे समाधान का विस्तार इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर के तहत आने वाले कारोबार पर भी लागू किया जा सकता है। निष्पक्षता व समयबद्धता से विवादों के निपटान को जी.एस.टी. सुधारों में शामिल करना समय की मांग है।

जीवन की सबसे बड़ी कमाई है ज्ञान का पन्ना

पावनी

अक्सर लोग अपने आप से तरह-तरह के सवाल करते हैं कि उनका यह जीवन ऐसा या वैसा है तो आखिर किसलिए है। कुछ लोग सोचते हैं कि आखिर वे कौन हैं, उनका इस जगत में क्या स्थान है। व्यवहार मनोवैज्ञानिक सप्रमाण यह कहते हैं कि इस दुनिया के बहत्तर फीसद लोग लगभग इसी तरह का चिंतन करते हैं। इन सवालों का जवाब हमको मिलता है किताबों में। किताब एक ऐसी तिजोरी है, जिसमें बेहिसाब दौलत भरी पड़ी है। इसे पढ़कर जो भी इस संपदा को पा लेता है, वह सबसे बढ़कर धनवान बनता है। जिज्ञासा शांत होने पर अनमोल धन यानी संतोष धन मिलता है। कहा भी गया है कि 'जब आवै संतोष धन, सब धन धूरि समान।' किताब एक चमत्कार तो करती ही है, वह पढ़ने वाले में हौले-से एक जादुई खुशी तरंगित कर देती है कि वह उदासी और अवसाद से बाहर निकलकर एक संपूर्ण मनुष्यता के भाव में बहने लगता है। इसलिए एक पुस्तक पढ़ना बिल्कुल वैसा ही है जैसे किसी अंतरंग मित्र से गपशप करना। अच्छी और उपयोगी पुस्तक का ज्ञान व्यक्ति को नई सीमाओं तक पहुंचने का जरिया बनाता है। जब व्यक्ति पुस्तक को पढ़ने के साथ गुन भी लेता है, तब वह एक अद्भुत ऊर्जा को महसूस करता है और अपनी सीमाओं से संघर्ष करता है। वह अपनी दैहिक और मानसिक सीमाओं को पार करने का कौशल विकसित करता है। इसके बाद, व्यक्ति नए स्तरों को प्राप्त करने के लिए एक नया आत्मविश्वास और क्षमताएं प्राप्त करता है। इस लिहाज से किताब खुशी और संतोष के अलावा संघर्ष के लिए साहस को ताकत देती है। महात्मा गांधी ने जान रस्किन की 'अनटु द लास्ट' पढ़कर अपने भीतर एक अनोखा परिवर्तन महसूस किया था, जिसे उन्होंने 'सर्वोदय' के रूप में रूपांतरित किया और एक शिक्षण उपकरण के रूप में उपयोग करना चुना। इसी तरह लियो टाल्सटाय की पुस्तक 'द किंगडम आफ गाड इज विदइन यू' से गांधीजी काफी प्रभावित हुए थे और उन्होंने मानवता की रक्षा के लिए अहिंसा को विरोध का शस्त्र बनाया। दक्षिण अफ्रीका में संघर्ष के केंद्र के रूप में स्थापित आश्रम का नाम भी उन्होंने टाल्सटाय आश्रम रखा। आजकल कुछ विद्यालय भी पढ़ने को एक जरूरी गतिविधि बना रहे हैं और अकबर-बीरबल और तेनालीराम की पुस्तकों को विद्यार्थियों के ग्रीष्मकालीन अवकाश के अध्ययन के लिए शामिल कर रहे हैं। कारण यह कि इन किताबों में सहज ही जीवन की छोटी-बड़ी समस्या का सरल समाधान मिल जाता है। साथ ही तत्कालीन भारत के माहौल और आचार-व्यवहार की झलक भी मिलती है। पुस्तकें मनुष्य के नैतिक मूल्यों को पोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संतों और प्रसिद्ध लोगों द्वारा लिखी गई किताबें हमें एक अच्छा इंसान बनने के सही नैतिक मूल्यों के बारे में सिखाती हैं। अगर 'पंचतंत्र' और 'हितोपदेश' जैसी पौराणिक कृतियां जीवन का नैतिक संस्कार सिखाती हैं तो 'सिंहासन बत्तीसी' और 'चंद्रकांता संतति' जैसी किताबें हमें जीवन के अनेक अनदेखे पहलू भी दिखा देती हैं। उसी तरह 'हैरी पाटर' और 'सिंड्रेला' जैसी किताबें हमें जीवन की कड़वी सच्चाइयों से दूर खूबसूरत दुनिया के बारे में सपने दिखाती हैं। किताबें हर बच्चे के लिए बचपन का असली खजाना हैं। ये अच्छाई और बुराई के बीच फर्क करना भी सिखाती हैं। एक इंसान के शौक कई तरह के हो सकते हैं। उनमें से कुछ किताबों के शौक रखने वाले लोग होते हैं जो कभी अकेलापन महसूस नहीं करते और अपने जीवन में एक बेहतर दोस्त होने का अनुभव करते हैं। किताब का लेखक अपने जीवन भर के सफर और अपने ज्ञान को शब्दों में पिरो कर उसे एक किताब का रूप देता है। ऐसे अनेक लेखकों के अनेक तरह के विचार हमारे सामने एक किताब के रूप में होता है, जिसे पढ़कर मनुष्य के मस्तिष्क में सकारात्मक और शांत विचारों की धारा प्रवाहित होने लगती है। चीजों को गहराई से अनुभव करने में किताबों की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। एक तरह से किताब औषधि का भी काम करती है जो जीवन की हर छोटी-बड़ी दुविधा से बाहर आने का रास्ता क्षण भर में दिखा देती है। किताबों में लिखे शब्दों को लेखक अपने अंदाज में लिखता है, जिसे कविता, लेख, शायरी या कहानी के रूप में पढ़ा या सुना जाता है, मगर शब्दों का अर्थ वही होता है। हालांकि यह किसी लेखक के अंदाज पर निर्भर करता है कि वह किस तरह अपनी बातों को लोगों के सामने रखता है। इसलिए जरूरी है कि युवाओं को किताबों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाए, जिसके माध्यम से युवा या अन्य वर्ग के लोग एक दूसरे के विचारों से रूबरू हो सकें। शायद यही वजह है कि महान कथाकार और कहानी सम्राट प्रेमचंद की लिखी हुई।

क्या पड़ोसियों से रिश्ते सुधार पाएंगे नरेंद्र मोदी?

प्रधानमंत्री पद संभालने के तुरंत बाद नरेन्द्र मोदी ने जी7 शिखर बैठक में शामिल होने के साथ वैश्विक रंगमंच पर शानदार आगाज किया। इसके तीन सप्ताह बाद वह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की अस्ताना, कजाकस्तान में 3-4 जुलाई को आयोजित हो रही शिखर बैठक में शामिल होंगे। अमेरिकी खेमे के संगठन जी7 में भाग लेने के एक महीने के भीतर अमेरिका विरोधी चीन और रूस की अगुआई वाले एससीओ में उनकी भागीदारी रोचक होगी। दो विरोधी गुटों की शिखर बैठक में शामिल होकर प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय हितों को साधने के इरादे से भारतीय कूटनीति को संतुलन देने की कोशिश करेंगे। सच यह भी है कि भारत को दोनों खेमों के देश अपने पाले में खींचने में लगे हैं। लेकिन मोदी ने राष्ट्रीय हितों को देखते हुए जी7, क्वॉड, ब्रिक्स, एससीओ से रिश्ते बनाए हैं। इससे विश्व रंगमंच पर देश की अहमियत तो बढ़ी है, लेकिन भारतीय कूटनीति की सबसे बड़ी सफलता सभी पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते मधुर बनाने में ही मानी जाएगी। तीसरा कार्यकाल संभालने से पहले जिस तरह अमेरिका, रूस और कई यूरोपीय नेताओं ने मोदी को फोन कर बधाई दी और जिस तरह चीन और पाकिस्तान के नेताओं ने उन्हें नजरअंदाज किया, उससे पता चलता है कि जहां भारत को बड़ी ताकतें अपनी ओर आकर्षित करना चाहती हैं, वहीं कुछ पड़ोसी देश उससे अदावत रखते हैं। ऐसे में मोदी के लिए पड़ोसी देशों के साथ सामान्य रिश्ते बनाए रखना बड़ी चुनौती है। विश्व रंगमंच पर मोदी की अहमियत इसलिए है कि अमेरिका व विकसित यूरोपीय देशों का चीन से मोहभंग हो चुका है। साथ ही भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। उसकी विकास की गति काफी तेज है। भारत विकसित देशों के उच्च तकनीक वाले औद्योगिक उत्पादों का बड़ा बाजार भी है। इसलिए अमीर देशों के लिए वह मजबूरी भी है। हिंद महासागर से लेकर दक्षिण चीन सागर तक चीन की बढ़ती दादागीरी से मुकाबला करने के लिए अमेरिका व यूरोपीय देशों को भारत का साथ चाहिए। भारत का हित भी इसी में है कि वह इन इलाकों में चीन पर अंकुश लगाने के लिए अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया आदि के साथ सामरिक तालमेल बनाए रखे। लेकिन अमेरिका दादागीरी दिखाकर जिस तरह प्रतिबंधों की राजनीति करता है, उससे भारत के लिए न केवल अपने पारम्परिक मित्र रूस के साथ सामान्य आर्थिक व कूटनीतिक रिश्ते बनाने में बाधाएं आती हैं बल्कि ईरान व मध्य एशिया के साथ भी संबंधों में अड़चनें खड़ी होती हैं। एक बात यह भी है कि अमेरिकी खेमे के देशों में अलगाववादी खालिस्तान आंदोलन को जिस तरह से खाद-पानी मिल रहा है, वह भारत के लिए चिंताजनक है। अमेरिका में इन तत्वों को लेकर उसके साथ भारत के संबंधों में तल्खी आई है। कनाडा के साथ इस मुद्दे पर रिश्ते कटुतापूर्ण हो गए हैं। इन देशों को समझना चाहिए कि वे भारत को सामरिक साझेदार बताते हैं। वहीं, भारत विरोधी और इसके विघटन की मंशा रखने वाले तत्वों को उन्होंने अपने यहां खुली छूट दी हुई है। भारत के लिए इसे मंजूर करना असंभव है। नरेन्द्र मोदी के सामने बड़ी कूटनीतिक चुनौती है कि विदेशी धरती पर इन अलगाववादी तत्वों को संरक्षण देने वाली ताकतों पर कैसे लगाम लगाई जाए। बेशक भारत के लिए पड़ोसी देशों के साथ मजबूत रिश्ते बनाना चुनौती है, लेकिन 9 जून को नरेन्द्र मोदी ने अपने शपथग्रहण के मौके पर सेशल्स, मॉरीशस, नेपाल, भूटान, मालदीव, बांग्लादेश के नेताओं को आमंत्रित कर पॉजिटिव संकेत दिया। चीन और पाकिस्तान के रुख को देखते हुए उनके साथ सामान्य संबंध बनाना आसान नहीं होगा।

सुनीता केजरीवाल ने ट्वीट में लिखा-ईश्वर सबको सदबुद्धि दे अब प्रार्थना रहेगी की तानाशाह का विनाश हो

आज का राशिफल

मेष
वृषभ
मिथुन
कर्क
सिंह
कन्या
तुला
वृश्चिक
धनु
मकर
कुंभ
मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक-5280

2	9			7	4			
	1					4		
6	7		9		5			
	8		2		6			
	6		8	4	7		2	
			5		1		8	
			7		8		9	2
		6					1	
			4	1			5	8

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5279

1	8	5	7	4	9	2	3	6
7	9	4	2	6	3	8	5	1
3	6	2	8	1	5	7	4	9
9	4	7	1	3	8	5	6	2
5	2	1	9	7	6	3	8	4
8	3	6	5	2	4	1	9	7
6	1	3	4	5	2	9	7	8
2	5	8	6	9	7	4	1	3
4	7	9	3	8	1	6	2	5

वर्ग पहेली 5280

संकेत: बाएं से दाएं

1. 23 मार्च 1931 को इस क्रांतिकारी को अपने दो प्रमुख साथियों के साथ फांसी दे दी गई (5)
12. मछली, मत्स्य (2)
15. पराजित, हारा हुआ (3)

ऊपर से नीचे

14. निर्णय, न्याय, फैसला (4)
20. सीमा, मर्यादा, नियत काल, पराकाष्ठा (2)
21. पुत्र, बेटा (अंग्रेजी) (2)

वर्ग पहेली 5279 का हल

कलेक्टर के आव्हान पर नीमच जिले में ब्लड ग्रुप जांच के लिए सभी ने दिखाया अपार उत्साह

शाम 5 बजे तक 83 हजार से अधिक लोगों ने करवाई अपने ब्लड ग्रुप की जांच, ब्लड ग्रुप जांच के लिए सुबह से लगी लम्बी कतारे, कलेक्टर एवं एसपी ने विभिन्न ब्लड ग्रुप जांच केंद्रों का भ्रमण कर लिया ब्लड ग्रुप जांच कार्य की प्रगति का जायजा

नीमच, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन में 28 जून को नीमच जिले के सभी नगरीय निकायों और सभी ग्राम पंचायतों में नि:शुल्क ब्लड ग्रुप जांच का एक दिवसीय अभियान शुक्रवार को चलाया गया। कलेक्टर श्री जैन ने आव्हान पर सभी स्वंयसेवी संस्थाओं, समाज के सभी वर्गो के लोगों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों और आम नागरिकों ने ब्लड ग्रुप जांच के लिए अपार उत्साह दिखाया और उत्साहपूर्वक ब्लड ग्रुप जांच शिविरों में उपस्थित होकर अपने ब्लड ग्रुप की जांच करवाकर अपने ब्लड ग्रुप का नि:शुल्क कार्ड प्राप्त किया। ब्लड ग्रुप जांच करवाकर शाम 5 बजे तक 83 हजार 372 लोगो ने अपने ब्लड ग्रुप की जांच करवाकर, नि:शुल्क ब्लड ग्रुप जांच कार्ड प्राप्त किया है। यह अपने आप में नीमच जिले के लिए एक रिकार्ड है। अंतिम आंकडे प्राप्त होना शेष है।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन, एस.पी.श्री अंकित जायसवाल, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, नीमच नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपडा ने नीमच के शाबाउमा विद्यालय क्रमांक-2 पर आयोजित ब्लड ग्रुप जांच शिविर में काउन्टर पर अपना पंजीयन करवाया, ब्लड ग्रुप की जांच करवाई और ब्लड ग्रुप कार्ड प्राप्त किया। कलेक्टर एवं एस.पी. ने नीमच में विभिन्न ब्लड ग्रुप जांच काउन्टरों का निरीक्षण कर, ब्लड ग्रुप की जांच करवाने उपस्थित हुए विद्यार्थियों और नागरिको का उत्साहवर्धन किया और ब्लड ग्रुप जांच के लिए उनका उत्साहवर्धन करते हुए अधिकाधिक लोगों के ब्लड ग्रुप की जांच कर उन्हे नि:शुल्क ब्लड ग्रुप कार्ड प्रदान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर एवं एस.पी. ने शाबाउमा विद्यालय क्रमांक-2 पर स्थापित विभिन्न 13 पंजीयन काउन्टरों पर सहयोग कर रहे स्वंय सेवी सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों से चर्चा कर सहयोग के लिए उन्हे धन्यवाद दिया। कलेक्टर श्री दिनेश जैन, एसपी श्री अंकित जयसवाल, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद ने नाका नंबर -4 बघाना, रिटायर्ड कॉलोनी बघाना, व्यास बाल मंदिर बघाना, ग्राम पंचायत धनेरिया कला तथा ग्राम पंचायत दारू एवं शा.मा.विद्यालय नयागांव में भी ब्लड ग्रुप जांच शिविरों का निरीक्षण कर ब्लड ग्रुप जांच कार्य एवं आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली और संबंधितों को आवश्यंक निर्देश दिए।

ब्लड ग्रुप जांच के लिए उमड़े लोग–जिले में आयोजित ब्लड ग्रुप जांच अभियान के तहत अपने ब्लड ग्रुप की जांच करवाने के लिए जिलेवासियों ने अपार उत्साह दिखाया। शाबाउमा विद्यालय क्रमांक-2 के परिसर में सुबह से ही ब्लड ग्रुप जांच के लिए आमजन और छात्र-छात्राएं उमड पडे। पंजीयन काउन्टरों पर सुबह से ही ब्लड ग्रुप जांच करवाने के लिए लम्बी-लम्बी कतारे देखी गईं।

सभी स्वयंसेवी संस्थाओं का सराहनीय सहयोग:– ब्लड ग्रुप जांच अभियान के इस पुनित कार्य में विभिन्न स्ववयं सेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, शिक्षकगणों, आशा, उषा, आंगनवाडी कार्यकर्ताओं, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं सहित मैदानी अमलें ने भी सराहनीय सहयोग किया। सुबह से ही स्वयं सेवी संस्थाओं के पदाधिकारियों ने ब्लड ग्रुप जांच केंद्रों पर उपस्थित होकर आमजनों के ब्लड ग्रुप की जाचं में सहयोग किया और केंद्रों पर विभिन्न व्यवस्थाओं, नागरिकों को केंद्रों तक लाने में सराहनीय सेवाएं दी। इस मौके पर एसडीएम डॉ.ममता खेडे, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना, डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिह धार्वे, तहसीलदार श्री प्रेमशंकर पटेल, श्री संजय मालवीय, विभिन्न विभागो के जिला अधिकारी, स्वयं सेवी संस्थाओं के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, पत्रकारगण, पार्षदगण, शिक्षकगण, बडी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं आमजन उपस्थित थे।

कलेक्टर के नेतृत्व में नीमच जिले ने इतिहास रचा–कलेक्टर श्री दिनेश जैन के नेतृत्व में ब्लड ग्रुप जांच के कार्य में नीमच जिले ने इतिहास रच दिया है। एक दिन में जिले के 83 हजार से अधिक लोगो के ब्लड ग्रुप जांच कर उन्हें नि:शुल्क ब्लडग्रुप कार्ड वितरित कर प्रदेश में नीमच जिला पहला जिला बन गया है। यह जिले की सभी स्वयं सेवी संस्थोओं, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, पत्रकारगणों, अधिकारी, कर्मचारियों, आशा, आंगनवाडी, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, छात्र-छात्राओं, शिक्षकगणों, आम नागरिकों आदि सभी के उत्साहपूर्वक सहयोग से ही सम्भव हो पाया है।

जिले के 83 हजार से अधिक लोगो के पास है अब अपना ब्लड ग्रुप जांच कार्ड–ब्लड ग्रुप जांच अभियान के फलस्वरूप नीमच जिले के 83 हजार से अधिक लोगो के पास अपने ब्लड ग्रुप जांच का कार्ड उपलब्ध हो पाया है। अर्थात जिले के 83 हजार से अधिक लोगों को अपना ब्लड ग्रुप पता है। जावद विकासखण्ड में शाम 5 बजे तक 27 हजार 122, मनासा में 29 हजार 507, नीमच ग्रामीण में 19 हजार 824 एवं नीमच शहरी क्षेत्र में 6 हजार 919 लोगों ने शुक्रवार को अपने ब्लड ग्रुप की जांच करवाकर, ब्लड ग्रुप कार्ड प्राप्तष किए है। अंतिम आंकडे देर रात तक प्राप्त होने की संभावना है।

नीमच जिले की ब्लडग्रुप डायरेक्ट्री बनेगी–कलेक्टर श्री दिनेश जैन की पहल पर ब्लड ग्रुप जांच करवा चुके सभी 83 हजार से अधिक लोगो की ग्राम पंचायत, नगरीय निकायवार ब्लडग्रुप डायरेक्ट्री भी बनाई जा रही है। नीमच जिले की यह ब्लडग्रुप डायरेक्ट्री सभी ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, रेड्क्रास, चिकित्सालयों, स्वास्थ्य संस्थाओं और जिला स्तर पर उपलब्ध रहेगी।

त्वरित रक्त उपलब्ध हो सकेगा–जिले के लोगो के पास ब्लड ग्रुप कार्ड उपलब्ध होने और ब्लड ग्रुप डायरेक्ट्री होने की वजह से आपात स्थिति में रक्त की आवश्यकता होने पर रक्त की सहजता से तत्परतापूर्वक उपलब्धता हो सकेगी। रक्ततदान में भी यह डायरेक्ट्री उपयोगी रहेगी।

डॉ. बीआर नलवाया ने तीसरी बार पीजी कॉलेज मंदसौर के प्राचार्य का पदभार ग्रहण किया

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य के रूप में डॉ. बी. आर. नलवाया को नियुक्त किया गया। शासन के आदेश के परिपालन में आज दिनांक 28 जून 2024 को महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों की उपस्थिति में डॉ. बी.आर. नलवाया ने तीसरी बार प्राचार्य पदभार ग्रहण किया। इससे पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्य पद पर डॉ. एल. एन. शर्मा कार्यरत थे, जिनके स्थान पर दिनांक 28 जून 2024 को महाविद्यालय के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी एवं वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. नलवाया ने पदभार ग्रहण किया। डॉ. नलवाया पूर्व में भी इस पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य रह चुके है। इस अवसर पर महाविद्यालय की रासेयो इकाई एवं ईको क्लब, अभाविप इकाई द्वारा डॉ. बी.आर. नलवाया का स्वागत किया एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। बड़ी संख्या में स्टाफ सदस्यों एवं छात्रों ने महाविद्यालय के नवीन प्राचार्य को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की।

सिपाही भरती परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले में चार और गिरफ्तार

पटना, 28 जून। बिहार में आर्थिक अपराध ईकाई (ईओयू) ने सिपाही भर्ती परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले में चार और आरोपियों को आज गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। गिरफ्तार किए गए चार आरोपियों में से तीन पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं।

केन्द्रीय चयन परिषद (सिपाही भर्ती) बिहार, पटना के विज्ञापन संख्या-01/2023 जिसमें 21,391 सिपाही के रिक्त पदों की बहाली होनी थी। इसके लिए एक अक्टूबर 2023 को दो पालियों में परीक्षा आयोजित की गयी थी। इसके अतिरिक्त सात अक्टूबर 2023 एवं 15 अक्टूबर 2023 को भी इस परीक्षा का अयोजन होना था। इस परीक्षा में कुल 18 लाख अभ्यर्थियों ने फार्म भरा था लेकिन एक अक्टूबर 2023 को आयोजित परीक्षा की दोनों पालियों में परीक्षा प्रारम्भ होने की निर्धारित अवधि से कई घंटे पूर्व ही परीक्षा की उत्तर कुजी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल हो गई। जिसके परिणाम स्वरूप दो अक्टूबर 2023 को उक्त परीक्षा को रद्द कर दिया गया तथा सात अक्टूबर 2023 एवं 15 अक्टूबर 2023 को आयोजित होने वाली परीक्षाओं को स्थगित कर दिया गया। बाद में इस मामले जांच का जिम्मा ईओयू को सौंपा गया था। ईओयू ने इस मामले से जुडे काण्ड संख्या 16/2023 में 26 जून 2024 को चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 27 जून 2024 को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। ईओयू द्वारा आज जारी विज्ञप्ति के अनुसार जिन अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है उनमें कौशिक कुमार कर, सौरभ बंदोपाध्याय, सुमन विश्वास और संजय दास शामिल हैं।

नपा पीडब्ल्यूडी शाखा की बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका लोकनिर्माण समिति की बैठक कल नपा कार्यालय में सम्पन्न हुई। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, समिति सभापति श्रीमती निर्मला चंदवानी की विशेष गरिमामय उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में समिति की सदस्यगण श्रीमती सुनीता भावसार, श्रीमती भावना जयप्रकाश पमनानी, आशीष गौड़, ईश्वरसिंह चौहान, शाहिद मेव, उपयंत्री शाहिद मिर्जा, एस.पी.सिंह, महेश शर्मा, रोहित कैथवास, विधु कौशल, पीडब्ल्यूडी शाखा लिपिक व प्रभारी कार्यालय अधीक्षक अजय मारोठिया भी उपस्थित थे। बैठक में आगामी कार्य योजनाओं पर चर्चा की गई तथा पूर्व में हुए निर्माण कार्यों पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई। बैठक में समिति सदस्यों के द्वारा विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव भी दिये गये।

अपनी जन्मकुंडली स्वयं देखे ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ

क्या आप जानते है? जन्मकुंडली मे यदि शुक्र और राहु कि युति बन रहि हो और चन्द्रमा से इन दोनों मे से किसी एक का भी संबंध हो तो प्रेम संबंधो में बदनामी देने वाला योग बनता है। ऐसे योग मे इन ग्रहो कि दशाअंतरदशा मे प्रेम आदि संबंधो मे मान हानि कि सम्भावना रहती है।

ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर

जन परिषद का वार्षिक समारोह कल

शिरकत करेंगी मिस यूनिवर्स, विशिष्ट जन को जनपरिषद अवार्ड दिये जायेंगे

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। अग्रणी सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था जनपरिषद के 35 वा वार्षिक समारोह और स्थापना दिवस सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर श्री ऋषि शुक्ला, वरिष्ठरंगकर्मी एवं सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता श्री राजीव वर्मा, पूर्व डीजीपी डी पी खन्ना, पूर्व डीजीपी एन के त्रिपाठी, पूर्व डीजीपी महान भारतसागर, पूर्व आईएएस श्री अजातशत्रु श्रीवास्तव, एस के मिश्रा, मनीष श्रीवास्तव, जी पी श्रीवास्तव, आईएफएस अखिलेश अर्गल, मिस यूनिवर्स टाइटैनिक ब्यूटी आशिता कोचर, मिसेज यूनिवर्स टाइटैनिक ब्यूटी प्रगति सेठ एवं मिसेज वर्ल्ड वाइड भूमिका सिंह की विशिष्ट उपस्थिति में, आगामी 30 जून को, शाम चार बजे, स्टेट म्यूजियम सभागार श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित होगा। जन परिषद प्रांतीय महासचिव श्री रामजी श्रीवास्तव, स्टेट जॉइन्ट सेक्रेटरी एवं मंदसौर चैप्टर अध्यक्ष डॉ घनश्याम बटवाल तथा मंदसौर चैप्टर सचिव नरेंद्र त्रिवेदी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर समाजसेवा, साहित्य, संस्कृति, पर्यावरण, खेल, पत्रकारिता, कृषि आदि क्षेत्रों के उपलब्धि प्राप्त व्यक्तित्वों को जनपरिषद अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। समारोह में तीन दशकों की झलकियों के साथ संगीत मय सांस्कृतिक प्रस्तुति होगी। अतिथियों द्वारा जनपरिषद स्मारिका 'प्रगति' का विमोचन किया जायेगा। पदाधिकारियों के अनुसार जनपरिषद के देश - प्रदेश में फैले 210 चैप्टर्स के प्रतिनिधि इस वार्षिक स्थापना दिवस समारोह में शिरकत करेंगे। आगामी सितंबर में जनपरिषद इंटरनेशनल एन्वायरमेंट कॉन्फ्रेंस सिंगापुर और इंडोनेशिया में आयोजित करने जारही है। रामजी श्रीवास्तव, डॉ घनश्याम बटवाल एवं श्री नरेंद्र त्रिवेदी ने स्थापना दिवस समारोह में भाग लेने की अपील की है।

जनपरिषद
संस्था नहीं परिवार है

नगरपालिका शहरी गरीबी उपशमन समिति व उद्यान शाखा की बैठक संपन्न

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका शहरी गरीबी उपशमन समिति एवं उद्यान शाखा की महत्वपूर्ण बैठक कल नगरपालिका कार्यालय में संपन्न हुई अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर न.पा. उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला समिति सभापति श्री रमेश ग्वाला की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित बैठक में समिति सदस्यगण कमलेश सिसोदिया, गोवर्धन कुमावत, भारती पाटीदार, बब्बन युसूफ गौरी नगर पालिका उपयंत्री विधु कौशल सिटी मिशन के अजय शर्मा, उद्यान शाखा लिपिक राजेंद्र नीम, कर्मचारी सुपरवाइजर विक्रम सिंह गायरी भी उपस्थित थे।

बैठक में आगामी समय में होने वाले पौधारोपण अभियान की कार्य योजना क्रियान्वयन पर चर्चा की गई तथा समिति के सदस्यों के सुझाव पर भी विस्तृत चर्चा हुई बैठक में एन यु एल एम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर की गई बैठक में निकाय क्षेत्र में कलाभाटा ट्रैचिंग ग्राउंड, तेलिया तालाब एवं अन्य उपयुक्त स्थान पर पौधारोपण करने पर चर्चा की गई तथा पौधारोपण की कार्य योजना भी बनाई गई बैठक में सिटी मिशन के अजय शर्मा ने एन यु एल एम शाखा की समस्त योजनाओं की जानकारी दी उद्यान शाखा के लिपिक राजेंद्र नीमा ने आगामी समय में होने वाले पौधारोपण की संक्षिप्त कार्य योजना भी समिति के समझ रखी।

वैश्य महासम्मेलन की जिला बैठक हाटकेश्वर भवन में कल

प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री एवं प्रांताध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता करेगें शिरकत

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। वैश्य महासम्मेलन जिला इकाई मंदसौर द्वारा 30 जून रविवार को भगवान श्री पशुपति नाथ की नगरी मंदसौर में नरसिंहपुरा रामटेकरी रोड स्थित हाटकेश्वर मांगलिक भवन (मनिहार जी की बगीची) में आयोजित वैश्य महासम्मेलन की जिला बैठक मध्य प्रदेश शासन के पूर्व गृहमंत्री एवम वैश्य महासम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री उमाशंकर गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में होगी। बैठक की अध्यक्षता वैश्य महासम्मेलन के प्रांतीय महामंत्री एवं संभाग प्रभारी श्री जगदीश अग्रवाल गरोठ करेंगे। बैठक में विशेष रूप से संभागीय अध्यक्ष श्री संतोष चोपड़ा नीमच, मंदसौर जिला प्रभारी श्री नरेंद्र अग्रवाल संभागीय युवा प्रभारी कपिल भंडारी, संभागीय अध्यक्ष अमित मारवाड़ी सहित अन्य वरिष्ठजन विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

इस आशय की जानकारी देते हुए वैश्य महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष श्री जगदीशचंद्र चौधरी, महामंत्री श्री भगवानदास विजयवर्गीय, मंदसौर तहसील अध्यक्ष श्री सत्यनारायण छापरवाल, कार्यक्रम संयोजक श्री सुभाष खंडेलवाल, श्री गौरव रत्नावत ऐडवोकेट, युवा इकाई जिला प्रभारी श्री जगदीश काला, जिलाध्यक्ष श्री राकेश दुग्गड, जिला महामंत्री श्री दिलीप सेठिया महिला इकाई जिला प्रभारी श्रीमती भारती अग्रवाल जिलाध्यक्ष श्रीमती श्वेता अग्रवाल ने बताया कि 30 जून रविवार को दोपहर 2:30 बजे से जिला बैठक आयोजित की गई है। जिसमें मुख्य अतिथि वैश्य महासम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री उमाशंकर गुप्ता रहेंगे। बैठक में 2 बजे से पंजीयन होंगे एवं 2.30 बजे पंजीयन तत्पश्चात बैठक आयोजित होगी। जिला बैठक में मंदसौर जिले में वैश्य महासम्मेलन की चल रही गतिविधियों के बारे में चर्चा होगी और किस प्रकार से वैश्य महासम्मेलन का विस्तार हो सके। वर्ष भर में कौन-कौन से आयोजन वैश्य महासम्मेलन द्वारा किए जा। सकते है, ऐसे अनेक प्रकल्पों पर विचार किया जाएगा। बैठक के पश्चात वैश्य महासम्मेलन की घर-घर सदस्यता अभियान के तहत प्रांताध्यक्ष श्री गुप्ता पांच नवीन सदस्यों के निवास स्थान पर जाएंगे और महासम्मेलन की सदस्यता फॉर्म भरकर उन्हें वैश्य महासम्मेलन परिवार से जोड़ेंगे। वैश्य महासम्मेलन द्वारा आयोजित बैठक में मंदसौर मुख्य ईकाई, युवा, महिला इकाई के जिला पदाधिकारी, सदस्यों के अलावा मंदसौर जिले की सभी तहसीलों मल्हारगढ़, दलोदा, सीतामऊ, सुवासरा, शामगढ़, गरोठ और भानपुरा से मुख्य इकाई, युवा इकाई एवं महिला इकाई तीनों इकाइयों के तहसील अध्यक्ष, प्रभारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित होगें।

तीन नए कानून का विरोध सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, याचिका दायर

नई दिल्ली, 28 जून। नए संशोधित आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 व भारतीय नागरिक सुरक्षा द्वितीय संहिता, 2023 पर रोक लगाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई थी। याचिका दिल्ली के दो निवासियों अंजले पटेल व छाया द्वारा दायर की गई। जिसमें तीन कानूनों के शीर्षकों पर आपत्ति जताई गई थी और उन्हें अस्पष्ट और सटीक नहीं बताया गया था। तीन कानूनों के नाम क़ानून या उसके मकसद के बारे में नहीं बताते हैं। तीन कानूनों पर रोक लगाने की मांग करते हुए याचिका में दिसंबर 2023 में संसद में विधेयकों के पारित होने में अनियमितता का आरोप लगाया गया।

शीर्ष अदालत ने 20 मई को वकील विशाल तिवारी द्वारा दायर एक याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। जिसमें तीन कानूनों को चुनौती दी गई थी। जिसमें दावा किया गया था कि ऐसी चुनौती समय से पहले है क्योंकि कानून अभी भी लागू नहीं हुए हैं। वर्तमान याचिका में नए कानूनों के कुछ प्रावधानों को सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का उल्लंघन बताते हुए चुनौती भी दी गई है। इसमें भारतीय नागरिक सुरक्षा द्वितीय संहिता, 2023 बीएनएसएस के प्रावधान का उल्लेख किया गया है, जो 60/90 दिनों की अवधि के शुरुआती 40/60 दिनों की अवधि के दौरान आंशिक रूप से या पूरी तरह से 15 दिनों की पुलिस हिरासत का लाभ उठाने की अनुमति देता है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि यह मुद्दा कि क्या पुलिस हिरासत को गिरफ्तारी से पहले 15 दिनों तक सीमित रखा जाना चाहिए।

आकाशीय बिजली से संभावित दुर्घटनाओं से स्वयं को बचाये, दिशा-निर्देशों का करें पालन

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। आकाशीय बिजली (वज्रपात) से बचाव के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जन समुदाय के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का पालन कर आकाशीय बिजली (वज्रपात) से सुरक्षा और बचाव किया जा सकता है। आकाशीय बिजली (वज्रपात) से आउटडोर (घर के बाहर) बाहरी गतिविधियों में शामिल लोग जैसे खेतों, औद्योगिक स्थानों, निर्माण और सामग्री हैंडलिंग वाले स्थलों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं। आकाशीय बिजली किसी भी समय गिर सकती है। यह मानसून के पहले जून-जुलाई में अधिक होती है। दोपहर और सायंकाल के बीच वज्रपात की घटनाएं सर्वाधिक देखी जाती हैं।

उंची नुकीली संरचनाओं, पेड़ों पर आकाशीय बिजली गिरने की अधिक संभावना होती है। ऐसे स्थानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। जारी निर्देश में कहा गया है कि धातु का मचान, धातु के उपकरण, पानी के पाइप या प्लम्बिंग, बिजली का संचालन करने वाली सामग्री अथवा सतहों के संपर्क से बचें। उंची अधोसंरचनाएं, पहाड़ी टेकरी, बिजली के खंभे, टेलीफोन के खंभे, उंचा पेड़, छत, मचान, धातु की सीढ़ी, बड़े मशीन जैसे बुलडोजर, क्रेन और ट्रेक्टर जैसे वाहनों से दूर रहें। विस्फोट संभावित क्षेत्रों तथा उद्योग स्थलों से तत्काल सुरक्षित स्थल की ओर प्रस्थान करें। धातुयुक्त वाहनों से विद्युत प्रवाह संभावित होने के कारण तुरंत सुरक्षित स्थलों की ओर जाएं। सड़क पर होने पर तुरंत किसी भवन के अंदर शरण लें। आकाशीय बिजली के गर्जन सुनाई देने के बाद कम से कम 30 मिनट तक सुरक्षित स्थान पर बने रहें।

सुरक्षित संरचना, घर, कार्यस्थल पर सुरक्षात्मक अपनाये–बिजली एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के संपर्क से दूरी बनाए रखें। इन्हें पावर प्लग से पृथक करें। बिजली का प्रवाह किसी भी दीवार, फर्श, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, रेडियो और टेलीविजन रिसेप्शन सिस्टम तारों के माध्यम से हो सकता है। घर, कार्यालय में अर्थिंग सुनिश्चित करें। खुले हुए खिड़की, दरवाजे, धातु के पाइप इत्यादि के पास खड़े नहीं रहें। पानी के धातु पाइप से बिजली प्रवाहित हो सकती है। विभाग द्वारा चिकित्सकीय सेवाओं के प्रदाय के लिए आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये हैं। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के लिए विशेष कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिये गये हैं। पर्याप्त संख्या में औषधियाँ, सामग्री और पैरामेडिकल स्टॉफ का उन्मुखीकरण सुनिश्चित करने को कहा गया है। सभी शासकीय चिकित्सालयों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ताओं ए.एन.एम./सी.एच.ओ. के पास जीवन रक्षक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित हो। बहु-उद्देशीय कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं आशा पर्यवेक्षकों को स्थानीय स्तर पर आपात सेवा स्थापित करने के लिए तैयार रखा जाये। शासकीय अमले की सहायता के लिये स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों व पैरामेडिकल स्टॉफ को चिन्हित कर आपात स्थिति में उनकी सेवाएं प्राप्त करने की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये हैं।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	18	2301	2425
उडद	7	3001	5001
सोयाबीन	3000	3500	4625
गैहु	3100	2560	3170
चना	230	5653	6600
मसुर	164	5701	6300
धनिया	120	4800	6850
लहसुन	11700	5400	23000
मैथी	640	4900	5990
अलसी	500	5250	5973
सरसो	225	4951	5421
तारामीरा	3	4480	4480
इसबगोल	50	9211	12800
प्याज	3300	800	2704
कलोंजी	9	12501	19500
डॉलर	15	7000	9980
तिल्ली	155	9940	12401
मटरसुखी	1	4601	5152
असालीया	9	8401	10001

सभी विभाग आगामी 5 वर्ष का विजन डाक्यूमेंट बनाकर तुरंत प्रस्तुत करें-कलेक्टर

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने सभी विभाग प्रमुखों के साथ एक विशेष बैठक आयोजित कर निर्देश दिए की आगामी 5 वर्ष का विजन डॉक्यूमेंट सभी विभाग तैयार करें। सभी विभाग प्रमुख अपने-अपने विभाग की समस्त प्राथमिकता वाली आवश्यकता एवं संसाधनों का एक डॉक्यूमेंट तैयार करें तथा तुरंत प्रस्तुत करें। प्रमुख प्राथमिकता वाली आवश्यकताओं में अधोसंरचना, सामुदायिक विकास, सामाजिक न्याय, रोजगार बढाना, संसाधन की व्यवस्था, विभाग के कमजोर पक्ष, विभाग के लिए बजट, जन सहयोग, सीएसआर फंड इत्यादि के साथ ही जिले की प्राथमिकता में जनसंख्या वृद्धि नियंत्रण, हर खेत पर कैसे पानी पहुंचाया जा सकता है, सिंचाई परियोजना, हर घर पर जल, जल प्रबंधन, ऊर्जा उत्पादन, जैविक खेती, वृक्षारोपण, खेती की लागत में कमी करना, दूध उत्पादन को बढ़ाना, देसी नस्ल की गाय को बढ़ाना, पक्का आवास निर्माण करना, शौचालय, शिक्षा में गुणात्मक सुधार करना, शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में सुधार करना इत्यादि विषयों के साथ ही अपने विभागों के प्राथमिकता वाले विषयों पर आगामी 5 वर्ष का रोड मैप तैयार करें। सभी विभाग प्राथमिकता से ध्यान में रखते हुए आगामी 5 वर्ष का रोड मैप तैयार करें। हर विभाग की अलग से समीक्षा की जाएगी। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल सहित सभी जिलाधिकारी मौजूद थे।

ट्रक में केले के नीचे 43 लाख से ज्यादा का डोडाचूरा जप्त, दो गिरफ्तार

रतलाम, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले में अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा की तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे है। पुलिस को इनको पकडने में भी सफलता मिल रही है। जावरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ट्रक में केले के निचे 900 कि.ग्रा. अवैध मादक पदार्थ ले जाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने माल जब्त कर प्रकरण दर्ज कर लिया है।

जावरा थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की एक ट्रक क्रमांक एचआर 57-ए-8843 में दो व्यक्ति ट्रक में केले के नीचे डोडाचूरा भरकर मंदसौर की ओर से जावरा होकर रतलाम के रास्ते होकर बाहर जाने वाले है, जिसको यदि भैंसाना फण्टे पर नाकाबंदी की जाये तो सफलता मिल सकती है। पुलिस अधीक्षक राहुल कुमार लोढा के निर्देश पर थाना प्रभारी निरी. मुनेन्द्र गौतम के नतृत्व में टीम गठित की कर तत्काल टीम को रवाना किया गया। टीम ने मुखबिर के बताये स्थान भैसाना फन्टा नीमच महू रोड जावरा पर नाकाबन्दी की गयी।

कुछ देर बाद सूचना अनुसार सफेद रंग का ट्रक अशोक लीलेण्ड कंपनी का आता दिखाई दिया, जिसको घेराबंदी कर रोका तथा ट्रक चालक का नाम पता पूछने पर नाम विजेन्द्र कुमार पिता सुरेन्द्र सिंह जाति नाई उम्र 36 साल निवासी जवाहर नगर मण्डी डबवाली, थाना डबवाली जिला सिरसा हरियाणा का बताया तथा कण्डक्टर सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम गगनदीप पिता नरेश यादव उम्र 24 साल निवासी धारीवाल नगर डबवाली, थाना इववाली जिला सिरसा हरियाणा का होना बताया। पुलिस को शंका होने पर ट्रक की तलाशी ली गई, जिसमे ट्रक में कुल 45 कट्ठे में भरा कुल 900 कि.ग्रा. अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा एवं कच्चे केले साढे चार टन भरा पाया गया। जिसे मौके पर जप्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करके उनके विरुद्ध धारा 8/15 एन.डी.पी.एस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया। जांच के दौरान दोनों आरोपी बिजेन्द्र एवं गगनदीप यादव को न्यायालय पेश किया जहा से पुलिस रिमाड प्राप्त कर अवैध मादक पदार्थ के खोत एवं अन्य आरोपियों के संबंध मे पछताछ करेगी। ट्रक में डोडाचूरा 45 कट्ठे में भरा हुआ कुल 900 कि.ग्रा., कच्चे केले साढे चार टन, दो मोबाईल फोन, एक ट्रक अशोक लिलेण्ड कुल मशरूका कीमती 43,65,000/-रुपये जप्त किया।

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी को लेकर बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) की मंत्रिमंडल व राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक को सफल बनाने हेतु राजू मुण्डेल के कार्यालय पर आयोजित की गई जिसमें 29 जून को मंदसौर के मनमोहन वाटिका में आयोजित मंत्रिमंडल व राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक को सफल बनाने हेतु व्यापक चर्चा हुई एवं कार्ययोजना बनाई गई।

बैठक में भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष वरदीचंद कुमावत ने बताया कि भगवान श्री पशुपतिनाथ की नगरी में समाज का इतना भव्य और वृहद आयोजन प्रथम बार हो रहा है जिसमें भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के देशभर से पदाधिकारी व प्रतिनिधि भाग लेने मंदसौर आ रहे है। आपने बताया कि आज 29 जून शनिवार सुबह 8.30 बजे से पंजीयन के बाद सुबह 10 बजे से 01.30 बजे तक बैठक होगी। इसके बाद दोपहर 2.40 से 5 बजे तक अधिवेशन होगा। इसके बाद प्रतिभा सम्मान समारोह होगा। इस आयोजन में मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार में पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, फुलेरा के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठभाजपा नेता निर्मल कुमावत, विशेष अतिथि मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी श्री ज्ञानदासजी महाराज (कुलगुरु कुमावत समाज भारत) श्री पंच निर्मोही अड़ी अखाड़ा श्री दादूराम आश्रम, उज्जैन होंगे। अध्यक्षता भारतीय क्षत्रीय कुमावत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष युधिष्ठीर कुमावत करेंगे। विशिष्ठ अतिथि भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के महामंत्री सूरजमल अडानिया, जोन अध्यक्ष व जोन महामंत्री (मप्र. जोन), प्रदेश अध्यक्ष लीलाधर दौराया होंगे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू मुण्डेल ने बताया कि बैठक में देश भर से मंत्रिमंडल सदस्य, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय प्रतिनिधि, परामर्शक सहित महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, दिल्ली-हरियाणा व राजस्थान के दक्षिण-पश्चिम व उत्तर-पूर्व जोन अध्यक्ष व महामंत्री भाग लेंगे, इसमें मध्यप्रदेश के 14 राष्ट्रीय प्रतिनिधिगण भी शामिल होंगे। बैठक में महामंत्री राजेश अडानिया, कोषाध्यक्ष मदनलाल अडानिया, सह कोषाध्यक्ष बंटी मुडेल, सांस्कृतिक मंत्री बाबू डूंगरवाल, नगर अध्यक्ष गोवर्धन कुमावत, कार्यकारिणी सदस्य नरेन्द्र माण्डेला, हरीश कुमावत, माणकलाल अडानिया, सत्यनारायण मांदलिया आदि उपस्थित थे।

पेड़, पौधे पर्यावरण के सजग प्रहरी-शर्मा

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। पेड़ पौधे मानव और अन्य जीव जंतुओं को जीवन दान देते हैं। जल थल और वायु का संतुलन बनाने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

यह उद्गार व्यक्त किये संस्कृति कर्मी और फ़िल्म समीक्षक प्रदीप शर्मा ने। उन्होंने हरित क्रांति समूह द्वारा पर्यावरण संगोष्ठी में यह भी कहा कि हमें प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक वृक्षों का संरक्ष करना चाहिए। इस अवसर पर बोलते हुवे नन्द किशोर राठौर ने कहा कि सनातन धर्म मे पेड़ों का स्थान देवों के समान माना गया है।

हरित क्रांति समूह के वरिष्ठसदस्य असअद अन्सारी ने कहा कि मानव को 24 घण्टे में 560 लीटर ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है और एक पेड़ औसतन 60 लीटर ऑक्सीजन देता है, इस लिए एक इंसान को कम से कम 9 वृक्षों का संरक्षण करना चाहिए।संगीत महाविद्यालय की जनभगीदारी समिति अध्यक्ष नरेंद्र त्रिवेदी ने कहा पौध रोपण सिर्फ़ फ़ोटो खिंचवाने के लिए ही नहीं किया जाना चाहिए।मालवा मेवाड़ शार्ट फ़िल्म फ़ेस्टिवल समिति अध्यक्ष और संगीत कला प्रेमी रमेशचन्द्र गंगवानी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुवे कहा कि पर्यावरण सुधार सिर्फ़ सरकारों का दायित्व नहीं आमजनों को इस क्षेत्र में आगे आना चाहिए और वृक्षों की कटाई को कड़ाई से रोका जाना चाहिए। इस अवसर पर मनी शामगढ़ी, चंदा डांगी, हमन्त कछावा, समीर ख़ान, पुष्पेंद्र चौहान, नरेंद्र भावसार, संजय भारती, रानी राठौर, राजकुमार अग्रवाल, नन्दिनी शर्मा ने भी अपने विचार रखे और यह निर्णय लिया गया के समूह के किसी भी सदस्य का जन्म दिन होने पर केक काटने के बजाए ट्रीगार्ड सहित पौध रोपण किया जाना चाहिए। अंत मे अतिथि प्रदीपशर्मा को सभी ने जन्म दिन की बधाई दी तथा पौधे भेंट किए। संचालन नरेंद्र त्रिवेदी तथा आभार असअद अन्सारी ने माना।

सहकारी समितियों में किसानों के फसली ऋण की सीमा प्रति हेक्टेयर 1.50 लाख रुपये की जावे- गुर्जर

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी पूर्व महामंत्री महेन्द्र सिंह गुर्जर ने मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि अधिकांश किसान सहकारी समितियों के माध्यम से फसली ऋण लेकर फसल उत्पादन का कार्य करते हैं। लेकिन लगातार खाद, बीज, डीजल, दवाइयों, कृषि यंत्रों, मजदूरी बढ़ने सहित अन्य फसलों पर लागत राशि बढ़ने के कारण किसानों को मिलने वाला फसल ऋण से खेती को लाभ का धंधा बनाने में किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। श्री गुर्जर ने कहा कि वर्तमान समय में किसानों को फसल ऋण खाद बीज ओर नगद मिलाकर कुल 54 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर ऋण दिया जाता है जिससे किसानों को खेती करने में आर्थिक कठिनाईयो का सामना करना पड़ता है। श्री गुर्जर ने कहा कि पिछले कई वर्षों र्से किसानों की फसल ऋण सीमा (लोन लिमिट) नही बढ़ाने के कारण किसान इसी लोन लिमिट पर फसल कर्ज लेने पर मजबूर हो रहे हैं। जिसके कारण किसानों को बाजार से अधिक ब्याज दरों पर ऋण लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

श्री गुर्जर ने कहा कि वर्तमान समय में फसलों की लागत राशि के हिसाब से किसानों को 1लाख 50 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से खरीब और रबी का फसल ऋण साख सीमा की जावे ताकि किसानों को खेती करने के लिए प्रयाप्त ऋण मिल सके। श्री गुर्जर ने कहा वर्तमान खरीब सीजन में जिन किसानों ने फसली ऋण लिया है उनको भी नवीन फसल ऋण सिमा बढ़ाकर किसानों को लाभ दिया जावे। श्री गुर्जर ने कहा कि राष्ट्रीयकृत बैंकों से किसानों को फसली ऋण किसान क्रेडिट कार्ड 2 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से दिया जाता है। श्री गुर्जर ने कहा कि भाजपा सरकार ने 2022 में किसानों की आय को दोगुना करने का वादा किया था लेकिन आज तक किसानों की आय जस की तस बनी हुई है। ऐसी विषम परिस्थितियों में किसान खेती को कैसे लाभ का धंधा बना सकते हैं। श्री गुर्जर ने फसल ऋण साख सीमा बढ़ाने के सम्बध में अपेक्स बैंक महाप्रबंधक भोपाल, प्रदेश की अग्रणी लीड बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, जिला कलेक्टर मन्दसौर, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मन्दसौर महाप्रबंधक से भी किसानों के हित में फसल ऋण बढ़ाने के लिए अनुरोध किया।

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आधारित प्रशिक्षण सम्पन्न

समस्त प्रतिभागी प्रशिक्षण की सुक्ष्मताओं को छात्रों तक पहुचाए-प्राचार्य डॉ. राठौर

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मंदसौर में उज्जैन जिले के मॉनिटरिंग कर्ता जनशिक्षकों के पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का समापन संस्था के प्राचार्य डा. दिलीप सिंह राठौर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमें उज्जैन जिले के 79 जनशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. राठौर द्वारा बताया गया की पाँच दिन का संस्थान में उज्जैन जिले के जनशिक्षकों को मॉनिटरिंग आधारित प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें उन्हें बताया गया की शालाओं में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार हेतु मॉनिटरिंग के माध्यम किस प्रकार के सकारात्मक सुधार किया जा सकता है। समापन के अवसर पर संस्था के प्रशिक्षण प्रभारी श्री आर. डी. जोशी द्वारा बताया गया की जन शिक्षकों के प्रशिक्षण में अंतर जिला प्रशिक्षण की व्यवस्था करके जो नवाचार किया है वह सराहनीय है। अंतर जिला प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सभी जन शिक्षक पूरे समय प्रशिक्षण स्थल पर उपस्थित रहकर प्रशिक्षण प्राप्त करें और प्रशिक्षण के दौरान अपनाई गई नई तकनीक का क्रियान्वयन उज्जैन जिले की शालाओं के अनुवीक्षण के दौरान करें। समापन अवसर पर उज्जैन जिले के जन शिक्षकों

द्वारा स्वेच्छा से प्रेरित होकर डाइट मंदसौर को महाकाल की तस्वीर भेंट की एवं इस अवसर पर संस्थान के समस्त फैकल्टी सदस्यों व मास्टर ट्रेनर आदि का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री नरेन्द्र चौधरी ने किया, आभार श्री बंशीलाल ने माना। निपुण प्रोफेशनल कु. नेहा राजन एवं मार्गदर्शक शिक्षक श्री पंकज गेहलोद, नरेंद्र चौधरी, श्री नेपालसिंह तोमर, श्री बंशीलाल चौहान, श्री बलवंतसिह लोहार एवं श्री के. सी. धानिया आदि उपस्थित रहे।

नपा द्वारा निर्माण एवं विध्वंस संग्रहण हेतु एक दिवसीय अभियान चलाया

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश शासन निर्देशानुसार एक दिवसीय अभियान अंतर्गत निकाय द्वारा शहर में निर्माण एवं विध्वंस संग्रहण अभियान चलाया गया। शहर में निर्माण एवं विध्वंश अपशिष्ट संग्रहण अभियान चलाया गया जिसमे वार्ड क्र 7,28,35 से निर्माण एवं विध्वंश अपशिष्ट को निकाय कि टीम द्वारा उाऊप्लांट ले जाया गयों निर्माण एवं विध्वंश अपशिष्टको उाऊप्लांट पर पृथक-पृथक कर रखा गया। शासन निर्देशानुसार निर्माण एवं विध्वंश अपशिष्टसंग्रहण अभियान अंतर्गत नालियों के बहाव में अवरोध बनाऐ हुए है या सड़क पर मलबा फलाये गये है ऐसे घरों और निर्माणाधीन स्थानों पर चालानी कार्यवाही कि जा रही है।

नपा द्वारा मलासुर अभियान चलाया

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश शासन निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत नगर पालिका द्वारा निकाय क्षेत्र में एक दिवसीय मलासुर अभियान चलाया गया। इस अभियान अंतर्गत रहवासियों को हर तिन साल में सेप्टिक टैंक खाली करने हेतु जागरूक किया गया। मलासुर अभियान अंतर्गत निकाय क्षेत्र से निकलने वाले मल को सुरक्षित निपटान हेतु FSTP प्लांट लेजाया गया जहाँ पर सेप्टिक टैंक निकलने वाले मल से खाद बनायीं जा रही है एवं ट्रीटेड वाटर का उपयोग डिवाईडर में लगे पौधे, निकाय क्षेत्र केगार्डन में इत्यादि में उपयोग किया जा रहा हैं नपा द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की तैयारिया हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है एवं आम नागरिकों को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की जानकारियों से अवगत कराया जा रहा है।

सीए ब्रांच द्वारा टर्फ क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंटस ऑफ इंडिया की मन्दसौर ब्रांच द्वारा टर्फ विकेट पर क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन किया गया। गुरूवार प्रात: 7 बजे से 18 टीमों के बीच मुकाबले आयोजित हुए जो देर रात 11 बजे समाप्त हुए।

सीए सप्ताह के दौरान मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा आयोजित इस प्रतिस्पर्धा में चार्टर्ड अकाउंटेंट की 6 टीम, चिकित्सकों की 4 टीम, लायन्स क्लब व रोटरी क्लब मन्दसौर की 1-1 टीम ने हिस्सा लिया। दिन भर चले लीग मैचों के बाद रात्रि में फाइनल मैच का आयोजन किया गया। फाइनल मैच खेलते हुए टर्फ टायटन्स ने अपने प्रतिद्वंदी टीम मन्दसौर सुपर किंग्स

को अंतिम मुकाबले में रोमांचक तरीके से 7 रन से पराजित कर ट्रॉफी पर कब्जा किया। टर्फ टायटन्स के हरफनमौला खिलाड़ी डॉ. शुभम जैन ने अपने प्रदर्शन से सभी दर्शकों का दिल जीतकर मैन आफ द सीरीज का खिताब जीता। सीए विद्यार्थियों की भी 6 टीमों के बीच मुकाबले आयोजित हुए जिसमें अंतिम मुकाबले में अकाउंटिंग डैज़ल्स से अपनी प्रतिद्वंदी टीम ऑडिट असेंस को हराते हुए खिताब पर कब्जा किया। मन्दसौर सीए ब्रांच के अध्यक्ष सीए दिनेश जैन ने सभी खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के लिये बधाई देते हुए सफल आयोजन के लिये सभी सहभागियों का आभार प्रदर्शन किया। पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसौदिया, समाजसेवी श्री ताराचंद जैसवानी व समाजसेवी श्री विकास आचार्य ने पुरस्कार वितरित किये। आभार प्रदर्शन सीए विकास भंडारी ने किया।

रलायता में विधिक साक्षरता शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर श्री कपिल कुमार मेहता के मार्गदर्शन एवं जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर श्री सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में आज दिनांक 28 जून, 2024 को पारिक इंटरनेशनल स्कूल, रलायता, जिला मंदसौर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें जिला न्यायाधीश एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री विशाल शर्मा द्वारा सहभागिता की गई। न्यायाधीश श्री विशाल शर्मा द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों को किशोर न्याय अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों, बाल श्रम से संबंधित कानूनी प्रावधानों एवं महिलाओं एवं बच्चों के विरूद्ध होने वाले योन अपराधों से संबंधित कानूनी प्रावधानों तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण धिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों आदि के बारे में जानकारी दी। शिविर उपरांत वृहद विशेष वृक्षारोपण अभियान अन्तर्गत स्कूल परिसर में वृक्षारोण कार्यक्रम भी आयोजित हुआ, जिसमें न्यायाधीश श्री विशाल शर्मा सहित उपस्थित विद्यालय के स्टॉफ एवं विद्यार्थीगण द्वारा पौधा रोपण किया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य एवं अध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित रहें।

✻✻ जाहिर सुचना ✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं कमल सिंह चौहान माता गुड्डी बाई निवासी बानीखेड़ी का हूँ, सुचना के माध्यम से सूचित किया जाता है की मेरे आधिपत्य की भूमि जो की ग्राम बानीखेड़ी मे है सर्वे क्रमांक 956 रकबा 0.042, सर्वे क्र. 957/1/1 रकबा 0.209, सर्वे क्र. 957/1 रकबा 0.104, सर्वे क्र. 958 रकबा 0.96 हेक्टेयर, कुल सर्वे नम्बर 04 रकबा 1.045 हेक्टेयर भूमि का विक्रय दिनांक 17/10/2022 को रश्मि पति मुकेश वी संघई को करवाई थीं। जो रूपये प्राप्त नहीं होने पर वापस 3.5 (साढ़े तीन बीघा) वापस मेरे नाम करवाई गयीं। जो 1.5 (डेढ़ बीघा) जमीन रश्मि पति मुकेश वी संघई के नाम है उसमे मेरा लेनदेन शेष है और एक चैक भी फर्जी है अत: यह भूमि मेरे कब्जे में है जिसका कोई खरीदी या बिक्री न करें ऐसा करने पर विवाद या माननीय न्यायालयीन प्रकरण की समस्त जवाबदेही खरीदी बिक्री करनेवालो की होंगी।

भवदीय
कमलसिंह चौहान, बानीखेड़ी

जिले के सभी शासकीय कर्मी कार्यालय में कार्यालयीन समय प्रात: 10 बजे रहे उपस्थित

मंदसौर, 28 जून गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा बताया गया कि शासन द्वारा प्रदत्त निर्देशों का कढ़ाई से पालन करते हुए प्रतिदिन कार्यालय समय प्रात: 10 बजे कार्यालय में उपस्थित होना सुनश्चित करें। साथ ही अपने अधीनस्थ शासकीय कर्मियों को भी समय पर कार्यालय में उपस्थिती दर्ज किये जाने हेतु पाबंद करते हुए नियमित रूप से उपस्थिति पंजी का अवलोकन करें। प्रात: 10.15 बजे तक अनुपस्थिति की दशा में शासकीय कर्मियों की उपस्थिति अर्द्ध आकस्मिक अवकाश में सम्मिलित की जावें।

कार्यालय ग्राम पंचायत कयामपुर जनपद पंचायत सीतामऊ
जिला मंदसौर (म.प्र.)

हाट नीलामी विज्ञप्ति

क्रमांक / पंचा / 2024 दिनांक 28 जून 2024

सर्वसाधारण एवं इच्छुक व्यक्तियों को विज्ञप्ति द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कयामपुर में प्रति बुधवार लगने वाला हाट बाजार का पशु पंजीयन एवं बाजार बैठक फीस नीलामी वर्ष 2024-25 का ठेका दिया जाना है अत: इच्छुक व्यक्ति दिनांक 01 जुलाई 2024 सोमवार को दोपहर 12 बजे पंचायत भवन पर उपस्थित होकर नीलामी की बोली लगा सकते हैं इसके नियम व शर्ते निम्नानुसार है।

1- पशु पंजीयन वह बाजार फीस खुटा रसीद आवक-जावक का ठेका की अवधि 03 जुलाई 2024 से 31 मार्च 2025 तक की रहेगी।
2- सरकारी बोली 121000 रुपये की रहेगी।
3- एडवांस राशि 30000 जमा करने पर बोली लगाने की पात्रता रहेगी।
4- बोली समाप्त होने के बाद शेष बोली की राशि दो दिवस के बाद वापस की जावेगी।
5- नीलामी की राशि की 40 प्रतिशत राशि तुरंत एक मुस्त जमा करनी होगी अन्यथा बोली निरस्त कर दी जावेगी।
6 स्टेशनरी आदि सामग्री (रशीद कट्टे) ग्राम पंचायत दुवारा प्रदाय किये जायेगे जिसका व्यय (राशी) ठेकेदार द्वारा वहन किया जावेगा।
7- नियम शर्ते ग्राम पंचायत के अधीन रहेंगे।

सरपंच
ग्राम पंचायत क्यामपुर
जनपद पंचायत सीतामऊ

सचिव
ग्राम पंचायत क्यामपुर
जनपद पंचायत सीतामऊ

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in